5000Rs.

ॐ

INDIA NON JUDICIAL

५000रु.

Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हज़ार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

10500.00
2500.00
13000.00

लेसकारी बनाम

श्री मती शीला देवी धर्मपत्नी श्री शम्भु प्रसाद गुप्ता जाति- बनिया वैश्य पेशा- व्यवसायी राष्ट्रीयता- भारतीय साकिन स्टेशन- चतरा वार्ड नं. 10 मेन रोड पुराना पेट्रोलपम्प के निकट ग्राम- अहुरी थाना एवं पत्रालय- चतरा जिला- चतरा।

लेसधारी बनाम

(1) श्री मती शान्ती देवी धर्मपत्नी श्री विजय

5000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५000रु. Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हज़ार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

प्रसाद केशरी (3) श्रीमती लीला देवी उर्फ पत्नी श्री अजय प्रसाद केशरी जाति - वैश्य केशरवानी पेशा - शासकीय सेवा निवासी - भारतीय साकीनान स्टेशन चतरा वार्ड नं. 9 वन विभाग के समीप प्रखण्ड - अंचल थाना एवं पत्रालय - चतरा जिला - चतरा।

लेख्य प्रकार :- केवाला बैना कबाला (विक्रय पत्र)

तायदाद मालियत - मोबलिग - 1,25,000/- एक लाख पच्चीस हजार रुपये सिक्का भारत मोबलिग - 62,500/- बासठ हजार पाँच सौ रुपये होता है

नं० 3 लीला देवी वा० (ना० 19/09/03

ह० उमेश कुमार

ता० 25/9/03

3

1000Rs.

तफसील जायदाद गैरमनकूला

मवाजी 0-16 (सतरह डिसमिल) जमीन
तरमीम भावली हसियत रैयती कायमी
वाके मौजा:- चौर (Chour) थाना-
अहुरी थाना - चतरा थाना नम्बर-180
सब रजिस्ट्री चतरा डिस्ट्रिक्ट रजिस्ट्री
वो जिला- चतरा तौजी नम्बर - 22 हाल
सेफ्टर नं. 1, उक्त जमीन चतरा नगर-
पालीका के वार्ड नं. 3 में पड़ता है, उक्त
जमीन का पूर्ण विवरण निम्नप्रकार है-

सालाना मालगुजारी मोवलिग - 1.25
(एक रुपया पचीस पैसे) सालाना सरकार झारखंड/

नाम मालिक:- झारखंड सरकार बहद
अंचल चतरा।

सही शीला देवी वा०/वा० 19/09/03

गवाह [illegible] 19.9.03

गवाह [illegible] 19.9.03

1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हज़ार रूपये ONE THOUSAND RUPEES

खाता नं.	प्लॉट नं.	रकबा ए.-डि.		रकबा ए.-डि.
८ (आठ)	२४ (चौबीस)	१-५५	मध्ये	०-१६ (सोलह डी.) (अक्षरांश)

बेचाईया विक्रय जमीन का चौहदी –
उत्तर – पक्की सड़क (चतरा से जयनगर गई है) दक्षिण:- भीड़ पोखर (भजन तालाब-धुलियाती तालाब) पूरब:- कुंती देवी पति कैलाश लाल गुप्ता, उर्मिला देवी पति सुरेन्द्र प्रसाद गुप्ता एवं भुनेश्वरी देवी तथा आदित्य नारायण गुप्ता कौहद पश्चिम- कौलेश्वरी देवी पति बिनो राम आदि है।

सही शीला देवी ता० 19/09/03

1000Rs.

५

INDIA NON JUDICIAL

१००० रु.

Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हजार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

विक्रय सम्पदा का नाप

I पूरब से पश्चिम- चौड़ाई - 25' (पचीस फीट)

II उत्तर से दक्षिण लम्बाई - 200' (दो सौ फीट)

[illegible]

III लम्बाई उत्तर से दक्षिण - 50' (पचास फीट)

IV चौड़ाई पूरब से पश्चिम जानिब उत्तर 25' पचीस फीट

V चौड़ाई पूरब से पश्चिम- जानिब दक्षिण 50' पचास फीट

V सम्पूर्ण लम्बाई 225' (दो सौ पचास फीट)

यह के सैय्यद रूपा जानिब रैयती शामिल वजरिये केवाला [illegible] मातहत के रकबे मध्य में :- 22.5-21 थाना नं. 1 मौजा मुड़हेर 25 से 232 [illegible] पंजा पांच के -

Witnessed by:- Binod Kumar Sinha at Chatra Date:- 19-9-2003

(गई गीता देवी बा० ल० 19/09/03

अतीत से चौथ से जमीन को दीगर बैनामा
बैनामा आसामी मोखदके रजिस्ट्री बैनामा नं.
2626 दिनांक 2.5.25 उक्त नं. 1 जिल्द
नं 23A पेज नं. 221 ता 238 है जो
बैनामा नम्बर- 2652 दिनांक 22.5.21
एवं बैनामा नम्बर- 2626 दिनांक 2.5.25
बनिस्बत राधा देवी धर्मपत्नी स्वर्गीय-
सत्य नारायण लाल मुख्तार एवं अनु लाल
बनाम बहक लेखकारी को हासिल है,
दाखिल खारिज केस नं. 420/24-25
में आदेश पारित होकर उक्त जमीन
का सरकारी रसीद लेखकारी के नाम
से कटता चला आ रहा है जो है।

यह के तौबर रिया जमीन
पर लेखकारी दोमा लिखत उसके-
जो मौजाहमत रीति कागज दाखिल
कर मुतस्तीर मदाखिल चले आते
है जो है।

यह के लेखकारी शाहक
दखल कब्जा ठीक जो सही पाकर उक्त

(सही) शीला देवी भा० रघ० की 19/09/03

यह कि एक भी मोहरा जिसे विक्रेता पक्ष के पास बाकी नहीं रहा जो आइन्दे इस्तेमाल करती या दावी भविष्य में लेनकारी नहीं कर सकती है।

यह कि बमुताबिक तमाम रकबा अस्तबल के हैसियत जमीन पर आज तारीख से क्रेता को बादशाह इतमम मालकियत को अखीज दाखिल कर दिया व बादशाह को हैसियत जमीन आबादीय है क्रेता पक्ष रिहाइश से मकान बनाने हेतु लीए थी। जो हैसियत जमीन पर क्रेता पक्ष बराबर दाखिल कर गई।

यह कि अब हैसियत जमीन में लेनकारी या बातिल कायम मालकियत का कोई हक हुकुक बाबत निस्बत या दखल कब्जा बाकी नहीं रहा जो कुल हक हुकुक लेनकारी को हासिल है या।

सही श्रीमती देवी — ता० 10/09/03

आइंदे हासील होगा वजीमनु लेखकारी मदर
से मुनकसील होकर लेखाकार तार को
हासिल हुआ वो होगा। मैंने परदेषा
जमीन वादेन से पाक साफ है,

यह के लेखकारी अपने
खुसी रजी सेच्छा से देखापा मैंला-
खलासी हवा लिख दिया की समय
पर काम आवे।

तारीख:- १८ माह सितम्बर सन
२००३ दो हजार तीन ईसवी।
स्तीव गवाह भरत प्रसाद वा- चल
मजमुन पढ़कर [illegible] को सुना
समझा दिया जाने हो के बतौर हजा
दो किता तैयार हुआ है, इल-
दस्तावेज का द्वितीय प्रति-
हु बहु को सच्ची प्रति है का.
कातिब

सही [illegible] देखी [illegible] 14/09/03